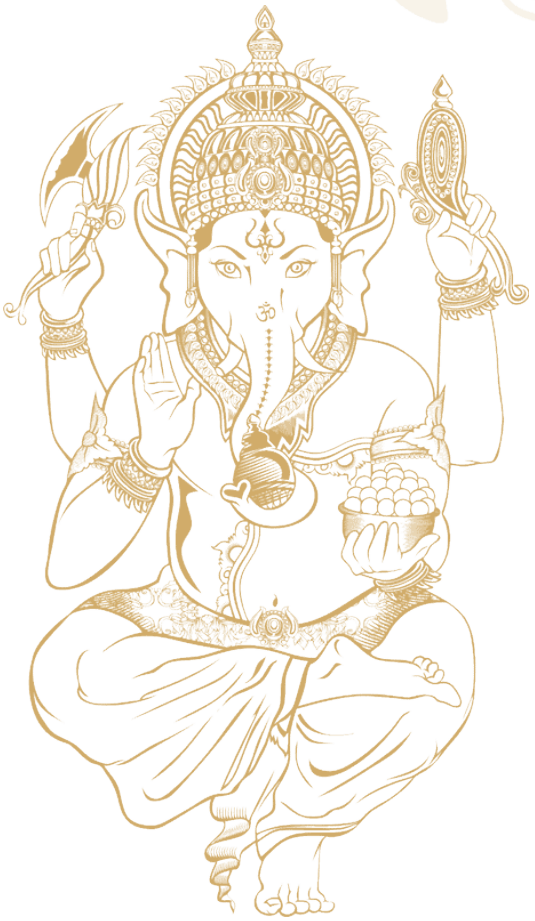

Mr.Chetan

Ms. Jagruti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120000505

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/08/1998	जन्म तिथि	01/10/1999
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 18:57:00	जन्म समय	20:30:00 घंटे
घटी 32:51:21	जन्म समय(घटी)	35:40:19 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:48:27	सूर्योदय	06:13:52
19:03:25	सूर्यास्त	18:07:42
23:50:08	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:59

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 5वर्ष 7मा 11दि		24:58:09	मक	लग्न	वृष	01:30:55	राहु 17वर्ष 6मा 7दि	
शुक्र		25:48:10	कर्क	सूर्य	कन्या	14:08:14	गुरु	
24/03/2011		25:35:50	मीन	चंद्र	मिथु	07:01:16	09/04/2017	
24/03/2031		00:49:37	कर्क	मंगल	वृश्चि	25:13:03	09/04/2033	
शुक्र	24/07/2014	28:21:14	कर्क व	बुध	तुला	00:47:42	गुरु	28/05/2019
सूर्य	24/07/2015	03:10:51	मीन व	गुरु व	मेष	08:54:09	शनि	09/12/2021
चन्द्र	24/03/2017	05:09:14	कर्क	शुक्र	सिंह	02:00:33	बुध	15/03/2024
मंगल	24/05/2018	09:47:01	मेष	शनि व	मेष	22:25:14	केतु	19/02/2025
राहु	24/05/2021	07:39:23	सिंह	राहु व	कर्क	17:26:50	शुक्र	21/10/2027
गुरु	23/01/2024	07:39:23	कुंभ	केतु व	मक	17:26:50	सूर्य	09/08/2028
शनि	24/03/2027	16:33:48	मक व	हर्ष व	मक	19:12:18	चन्द्र	09/12/2029
बुध	22/01/2030	06:24:53	मक व	नेप व	मक	07:46:51	मंगल	14/11/2030
केतु	24/03/2031	11:27:52	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	14:24:14	राहु	09/04/2033

लग्न-चलित

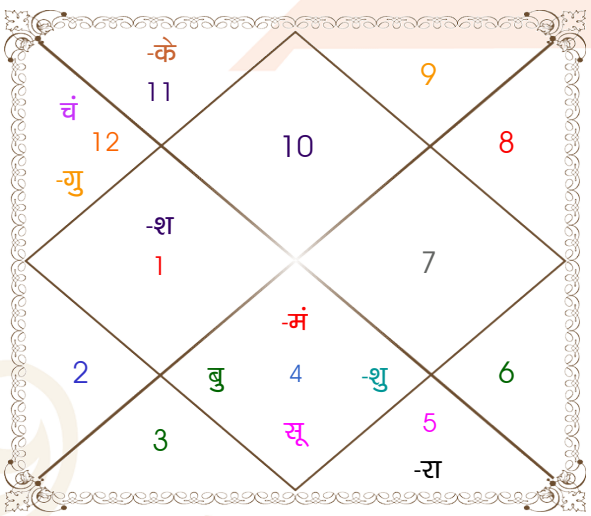

लग्न-चलित

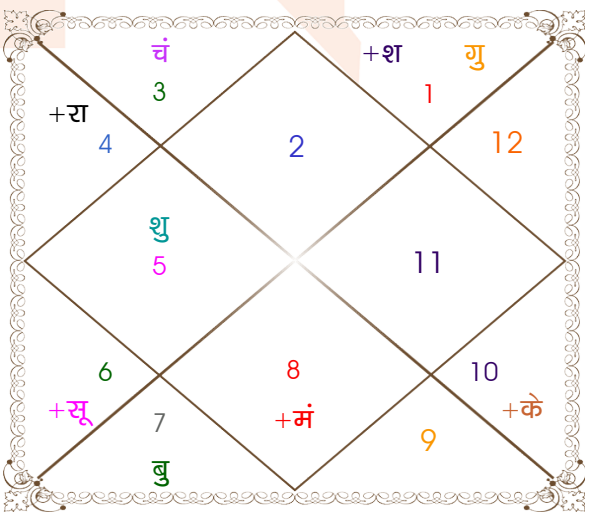

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Mr.Chetan का वर्ग सिंह है तथा डेण श्रंहतनजप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Chetan और डेण श्रंहतनजप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Chetan मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr.Chetan कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.Chetan कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Mr.Chetan कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण श्रंहतनजप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण श्रंहतनजप कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेण श्रंहतनजप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Chetan तथा डेण श्रंहतनजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।